वाशिंगटन। अमेरिका की यात्रा पर आए वायु सेना प्रमुख एन के ब्राउन ने कहा है कि बोइंग सी...17 ग्लोब मास्टर सैन्य परिवहन विमान भारतीय वायु सेना के आधुनिकीकरण अभियान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है।

ब्राउन ने कल कैलिफोर्निया के लांग बीच में बोइंग कंपनी से दूसरा सी...17 विमान हासिल करने के बाद कहा, ''हमारे पहले सी...17 ग्लोब मास्टर तृतीय ने न सिर्फ हमारी सामरिक परिवहन क्षमता को जबर्दस्त रूप से मजबूत किया है, बल्कि यह भारतीय वायु सेना के आधुनिकीकरण अभियान का एक बड़ा हिस्सा है ।''

अमेरिका की बोइंग कंपनी से खरीदे जा रहे दस सी...17 विमानों में से पहले विमान को एक महीने पहले भारतीय वायु सेना में शामिल किया गया था ।

बोइंग इस साल तीन और सी...17 विमान प्रदान करेगी तथा शेष पांच विमान 2014 में उपलब्ध कराए जाएंगे । बोइंग से सभी दस सी...17 विमान अनुमानित तौर पर 4.1 अरब अमेरिकी डॉलर में खरीदे जा रहे हैं ।

सी...17 विमान प्रतिकूल मौसम में भी परिचालित हो सकते हैं । ये काफी दूर तक बड़ी मात्रा में भार लादकर ले जा सकते हैं और छोटे तथा सामान्य रनवे पर भी उतर सकते हैं । ये पुराने हो चुके रूस निर्मित मालवाहक विमानों के बेड़े की जगह लेंगे।

ब्राउन ने एक बयान में कहा, ''मैं विमान की समय पर आपूर्ति के लिए अमेरिका सरकार, अमेरिकी वायु सेना तथा बोइंग टीम का आभार जताना चाहता हूं जिससे भारतीय वायु सेना अमेरिका के बाद सी...17 की विश्व की दूसरी सबसे बड़ी संचालक बन गई है ।''

बोइंग अब तक 255 सी...17 विमानों की आपूर्ति कर चुकी है । इनमें से 222 अमेरिकी वायु सेना को दिए गए हैं तथा 33 ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, भारत, कतर और संयुक्त अरब अमीरात को उपलब्ध कराए गए हैं ।

भाषा